राष्ट्रीय ग्रामीण विकास पंचायती राज केन्द्रीय अनुसंधान कार्यशाला

ग्राम पंचायत पिपरिया माल, विकासखंड शहपुरा, जिला डिंडोरी (म.प्र.) में दिनांक 12/4/2017 को प्रातः 10:30 से सांयकाल 5:30 तक आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास पंचायती राज केन्द्रीय अनुसंधान कार्यशाला तथा गोडवाना के 52 गढ, 57 परगना संरक्षण कार्यक्रम में संस्थान के प्रतिनिधी के रूप में वन विस्तार प्रभाग की डा. ममता पुरोहित, वैज्ञानिक-बी ने भाग लिया। व्याख्यान सत्र के दौरान डा. ममता पुरोहित ने उपस्थित ग्रामवासियो एवं केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार के विभिन्न विभागो से आये प्रतिनिधीयों को बताया कि जबलपुर के नीमखेडा ग्राम में स्थित उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान अपने 8 प्रभागो के माध्यम से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र एवं उडीसा राज्य के वनों पर विभिन्न परियोजनाओं के द्धारा अनुसंधान कार्य कर रहा है। इन परियोजनाओ का उद्देश वनो का संरक्षण, वृक्षारोपण द्धारा वन प्रजातियों का संवर्धन आदिवासी एवं ग्रामीण समुदाय को वनो से वन उत्पादो के विनाशविहीन विदोहन के प्रति जागरूक करना एवं प्रशिक्षित करना, स्थानीय जलवायु के अनुसार कृषिवानिकी प्रारूपो को अपनाकर आमदनी बढाना, ऊतक संवर्धन द्धारा उन्नत रोपण सामग्री तैयार करना, औषधीय पौधो की कृषि तकनीक से इच्छुक किसानो को अवगत करना, वनो से स्वस्थ वृक्षो से विभिन्न प्रजातियो के बीज इकट्ठा कर उनका सुरक्षित भंडारण एवं पौध तैयार करना, कीट एवं रोगो से रोपणी के पौधो की तथा वनो एवं वृक्षारोपण स्थल में वृक्षो का प्रबन्धन करना। पड़ती ,बंजर, दलदली, खदानीय क्षेत्रों आदि में पुनः हरियाली बहाल कर पारिस्थितकीय तंत्र का सुधार करना एवं जैवविविधता के संरक्षण हेतु हर संभव प्रयास करना। संस्थान द्धारा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास हित में केंचुआ खाद का उत्पादन, जैव उर्वरको का निर्माण एवं उपयोग, जैव कीटनाशको का निर्माण एवं उपयोग, सर्पगन्धा, तुलसी, घृतकुमारी, अश्वगन्धा, सतावर, कालमेघ, बच, कलिहारी, सफेद मूसली आदि औषधीय पौधो की कृषि तकनीक, एकत्रीकरण, संग्रहण एवं प्रसंस्करण, लाख उत्पादन, कृषिवानिकी के अन्तर्गत सागौन एवं हल्दी, सागौन एवं केवकंद, सागौन एवं कलिहारी, धान एवं बच, सागौन खमेर, आवंला, आम के साथ सफेद मूसली की खेती, टी.एफ.आर.आई. ट्राइको कार्ड द्धारा हानिकारक कीटों की रोकथाम आदि पर सफलजा प्राप्त की है। कौशल विकास के अन्तर्गत संस्थान द्धारा समय-समय पर किसानो, बांस के सामान बनाने वाले कारागिरों, गैर सरकारी संस्थाओ, विद्यार्थी आदि को प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है। संस्थान के लघु वन उपज प्रभाग के श्री गणेश पवार, तकनीकी सहायक ने संस्थान की औषधीय पौध रोपणी की जानकारी दी।

View of Dr. Mamta Purohit, Scientist – B, addressing the gathering of villagers.	Representative from TFRI, Jabalpur sharing dais with Sarpanch and other village level leaders.
View of gathering of villagers (ladies) as audience	View of gathering of audiences (gents) during the occasion.

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास पंचायती राज केन्द्रीय अनुसंधान कार्यशाला